हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

सतर्कता जागरूकता सप्ताह (दिनांक 27 अक्तुबर से 01 नवम्बर,2014)

"भ्रष्टाचार से संघर्ष - प्रौद्योगिकी की समर्थक भूमिका" का कार्यवृत्त

मुख्य सतर्कता अधिकारी, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के पत्र संख्या -।।।-3/2012/मु.स.अ./भावाअशिप (वीएडब्लयू) दिनांक 10 अक्तुबर, 2014 के साथ संलग्नक अपर सचिव, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, नई दिल्ली के परिपत्र संख्या- 014/VGL/048-262018 दिनांक 30.09.2014 के द्वारा जारी निर्देशों की अनुपालना करते हुए संस्थान द्वारा दिनांक 27.10.2014 से 31.10.2014 तक **"सतर्कता जागरूकता सप्ताह"** मनाया गया, जिसका विषय **"भ्रष्टाचार से संघर्ष - प्रौद्योगिकी की समर्थक भूमिका"** रहा । सभी अधिकारी एवं कर्मचारी दिनांक 27 अक्तुबर, 2014 को प्रातः11.00 बजे शपथ समारोह हेतु सभागार में एकत्रित हुए ।

इस महत्वपूर्ण सप्ताह की शुरूआत में सतर्कता जागरूकता के लिए दिनांक 27.10.2014 को निदेशक द्वारा अधिकारियों व कर्मचारियों को संस्थान के सभागृह में भ्रष्टाचार उन्मूलन हेतु शपथ ग्रहण करायी गई। शपथ समारोह के पश्चात सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाने हेतु सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न गतिविधियों के आयोजन और उनमें भाग लेने हेतु अपनी-अपनी राय व्यक्त की । सप्ताह के दौरान संस्थान में प्रतिदिन सांय 3-4 बजे विभिन्न प्रतियोगिताऐं आयोजित करने का निर्णय लिया गया । तदोपरांत विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे- पोस्टर बनाना, नारा लेखन, वाद-विवाद व कविता पाठ का आयोजन किया गया जिसमें सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। सप्ताह के अंत में डॉ के.एस.कपूर, समूह समन्वयक अनुसंधान द्वारा विजेताओं को पारितोषिक वितरण किया गया । इस दौरान श्री प्रदीप भारद्वाज, उप-अरण्यपाल द्वारा सूचना का अधिकार-2005-अधिनियमों (Rules of Right to Information Act-2005) के विषय में संक्षेप में सभी उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को अवगत भी करवाया गया। प्रतियोगिताओं का विवरण तिथिवार इस प्रकार रहा-

दिनांक	गतिविधियॉं
27.10.14	**शपथ ग्रहण** सभा में प्रातः 11.00 बजे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सतर्कता जागरूकता की शपथ ली गई एवं अन्य संबंधित विषय पर विस्तार से चर्चा भी की गई। सभा के दौरान निदेशक महोदय की अध्यक्षता में सतर्कता अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों नें भी सतर्कता जागरूकता के विषय में अपने-अपने बहूमूल्य विचारों से इसकी महता और इसकी आवश्यकता के विषय में जागरूक किया और विभिन्न एवं संबंधित गतिविधियों के आयोजन हेतु निर्णय भी लिए गए ।

28.10.14	**स्लोगन (नारा) लेखन** - नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के स्थायी/अस्थाई कर्मचारियों ने भाग लिया । नारा लेखन प्रतियोगिता में श्री दुष्यंत कुमार, अनुसंधान सहायक ग्रेड-।। ने प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं श्री कुलवंत राय गुलशन, तकनीकी सहायक ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया । **पोस्टर बनाना आदि** - पोस्टर प्रतियोगता में भी स्थायी-अस्थायी कर्मचारियों ने भाग लिया जिसमें कुमारी सोनिका शर्मा, तकनीकी सहायक प्रतियोगिता में प्रथम एवं श्री दलीप पराशर, फील्ड सहायक द्वितीय रहा।
29.10.14	**निबंध लेखन** - निबंध लेखन प्रतियोगिता में कर्मचारियों ने "भ्रष्टाचार से संघर्ष - प्रौद्योगिकी की समर्थक भूमिका" विषय पर हिंदी एवं अंग्रेजी में निबंध लिखकर भ्रष्टाचार नाम के कीड़े को जड़ से दूर भगाने के अपने विचारों से सभी को अवगत करवाया । श्री पंकज कुमार, फील्ड सहायक प्रथम व कुमारी कामाक्षी, फील्ड सहायक ने द्वितीय स्थान हासिल किया । सतर्कता अधिकारी की अध्यक्षता में संस्थान में कार्यरत श्री प्रदीप भारद्वाज, उप-अरण्यपाल द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम के सारांश बारे सभा में उपस्थित सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों को विस्तार से जानकारी दी एवं इसकी महता एवं उपयोगिता के विषय में अवगत करवाया ।
30.10.14	**वाद-विवाद प्रतियोगिता "भ्रष्टाचार से संघर्ष - प्रौद्योगिकी की समर्थक भूमिका"** विषय पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एकजुट होकर टीम-ए व टीम -बी ने पक्ष व विपक्ष में अपने-अपने विचार रखे । दोंनो टीमों का सराहनीय प्रदर्शन रहा और टीम-बी के तर्क संगतता, विश्वास एवं प्रस्तुती, प्रमाणिकता तथा खंडन की गुणवता को देखते हुए विजयी घोषित किया गया ।
31.10.14	**कविता पाठ-** कविता पाठ प्रतियोगिता में जिन कर्मचारियों ने कविता पाठ में भाग लिया उनमें श्रीमती सविता बनियाल, अनुसंधान सहायक ग्रेड-1 प्रथम एवं श्री राकेश कुमार, सहायक ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया ।

गतिविधियों की समीक्षा एवं पारितोषिक वितरण - प्रतियोगिताओं के उपरांत सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंत में सभी गतिविधियों पर गहन चर्चा हुई व विस्तार से समीक्षा की गई । अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विभिन्न गतिविधियों में अपने संस्थान को गौरवशाली एवं कर्त्तव्य का पालन पूर्ण ईमानदारी से करने और भय अथवा पक्षपात के बिना कार्य करने के जज़्बे को सराहा । जिन कर्मचारियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया उन्हें प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर डॉ के एस कपूर, समन्वयक समूह अनुसंधान व सतर्कता अधिकारी द्वारा प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार वितरित किए।

अंत में डॉ के एस कपूर, सतर्कता अधिकारी, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के आग्रह पर डॉ संदीप शर्मा, वैज्ञानिक ने **धन्यवाद प्रस्ताव** प्रस्तुत कर पांच दिवसीय कार्यक्रम का समापन किया गया ।

WASH ROOM

WELCOME
TO

WELCOME
TO
HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE, SHIMLA

HFRI

WELCOME

WELCOME

WELCOME
TO
HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE, SHIMLA
(Indian Council of Forestry Research & Education)

WELCOME
TO
HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE, SHIMLA
(Indian Council of Forestry Research & Education)

WELCOME
TO
HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE, SHIMLA
(Indian Council of Forestry Research & Education)

WELCOME
TO
HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE, SHIMLA
(Indian Council of Forestry Research & Education)

HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE, SHIMLA
(Indian Council of Forestry Research & Education)

HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE, SHIMLA
(Indian Council of Forestry Research & Education)

(Indian Council of Forestry Research & Education)

TO
HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE, SHIMLA
(Indian Council of Forestry Research & Education)
में

WELCOME
TO
HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE, SHIMLA
(Indian Council of Forestry Research & Education)
में